अस्पताल के रास्ते बंद हो जाते हैं और लाखों लोग बेघर हो जाते हैं। पलिया और लखीमपुर का लगभग 90 किलोमीटर का जो रेल का और रोड का संपर्क मार्ग है, वह हर साल टूट जाता है। इसलिए मान्यवर, वहाँ की जनता की एक लम्बे अरसे से एक माँग रही है कि शारदा नदी पर पचपेड़ी घाट के पुल का निर्माण कराया जाए। यह आज से नहीं, बीसों साल से माँग रही है। कई बार यह कहा गया कि वर्ल्ड बैंक से फाइनेंस हो गया, वहाँ पर नक्शा बनाया गया, टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई, लेकिन आज तक वहाँ पर पचपेड़ी घाट का पुल नहीं बनाया गया। अगर यह पचपेड़ी घाट का पुल बन जाता है, तो इससे वहाँ पर एक लंबे क्षेत्रफल में बाढ़ का जो प्रकोप है, वह भी रुकेगा। इससे सबसे बड़ी बात यह होगी कि निघासन और पलिया की जो दूरी है, वह करीब-करीब 30 किलोमीटर कम हो जाएगी। इसके साथ ही हमारा जो नेपाल का बॉर्डर एरिया है, वह भी हमारे लिए सामरिक दृष्टिकोण से बेहतर होगा, क्योंकि बरसात के समय पलिया का रास्ता बंद हो जाता है और हमारा कोई संपर्क नहीं रहता है। अगर यह पुल बन जाता है, तो हमारी पहुँच नेपाल तक होगी, इसलिए यह सामरिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करना चाहता हूँ कि पचपेड़ी घाट पुल का निर्माण कराया जाए और ऐसा करके लखीमपुर की जनता पर उपकार किया जाए। वहाँ की जनता की लंबे अरसे से यही माँग है। मैं आपसे यही कहना चाहता हूँ, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ramji: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu) and Shri P. Wilson (Tamil Nadu).

The next speaker is Shrimati Rajani Ashokrao Patil; Demand to reduce rate of GST on Mediclaim policies.

Demand to reduce rate of GST on Mediclaim Policies

SHRIMATI RAJANI ASHOKRAO PATIL (Maharashtra): Sir, I would like to state about a very important issue regarding the health sector of India. Sir, GST on luxury goods like gold, silver, diamond is restricted to three per cent whereas for the services of medical importance and necessities, it is kept at 18 per cent, for example, life insurance and mediclaim insurance policies. This clearly shows that the Government is least bothered about public health care matters. Due to such heavy taxes, the common people avoid taking mediclaim insurance policies and ends up paying their hospital bills in lakhs. Our country had already experienced this at the time of Covid pandemic in 2019, where common man had to sell his property to pay the hospital bills as he was not covered under the medical insurance policy. It is recommended to

cut down the GST rates on mediclaim insurance policies. This will encourage the common man to insure his life by taking mediclaim policies.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Rajani Ashokrao Patil: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri A. A. Rahim (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shrimati Mausam Noor (West Bengal), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri Shaktisinh Gohil (Gujarat), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shri Neeraj Dangi (Rajasthan), Shri Ajit Kumar Bhuyan (Assam), Shri Ramji (Uttar Pradesh), Shri Anil Kumar Yadav (Telangana), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Shri Sanjeev Arora, (Punjab).

The next speaker is Dr. Anil Sukhdeorao Bonde; Request to confer Bharat Ratna to Late Dr. Panjabrao Shamrao Deshmukh for his great contribution to the country especially in the field of education and agriculture.

Request to confer Bharat Ratna to Late Dr. Panjabrao Shamrao Deshmukh for his great contribution to the country especially in the field of education and agriculture

डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे (महाराष्ट्र): आदरणीय उपसभापति महोदय, मैं आपका ध्यान स्वर्गीय डॉ. पंजाबराव उपाख्य बहुसेव शामराव देशमुख के शिक्षा, सामाजिक और कृषि क्षेत्र में महान योगदान की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। वे भारत में एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और किसानों के नेता थे। उन्होंने पं. जवाहरलाल नेहरू जी की कैबिनेट में कृषि मंत्री के रूप में काम किया था। भारत में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी और हरित क्रांति में उनका योगदान सराहनीय तथा अविस्मरणीय था। उन्होंने वर्ष 1932 में शिवाजी शिक्षण संस्थान की स्थापना की। उनके द्वारा स्थापित शिवाजी शिक्षण संस्थान के अंतर्गत 24 डिग्री कॉलेज, 54 इंटरमीडिएट कॉलेज, 75 स्कूल, 25 छात्रावास, मेडिकल कॉलेज, लॉ कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज संचालित किए जाते हैं। अकोला के शासकीय कृषि विश्वविद्यालय का नाम डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ रख कर भी उन्हें सम्मानित किया गया है। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आजाद हिंद सेना के लिए बचाव पक्ष के वकील के रूप में भी काम किया है। उन्होंने अस्पृश्यता के लिए भी काम किया है। अमरावती के अम्बादेवी मंदिर में अछूतों को प्रवेश की अनुमति देने के लिए सत्याग्रह किया है। इस वर्ष पूरा भारत डॉ. पंजाबराव